3. हिंदी दिवस

सोचो-बोलो

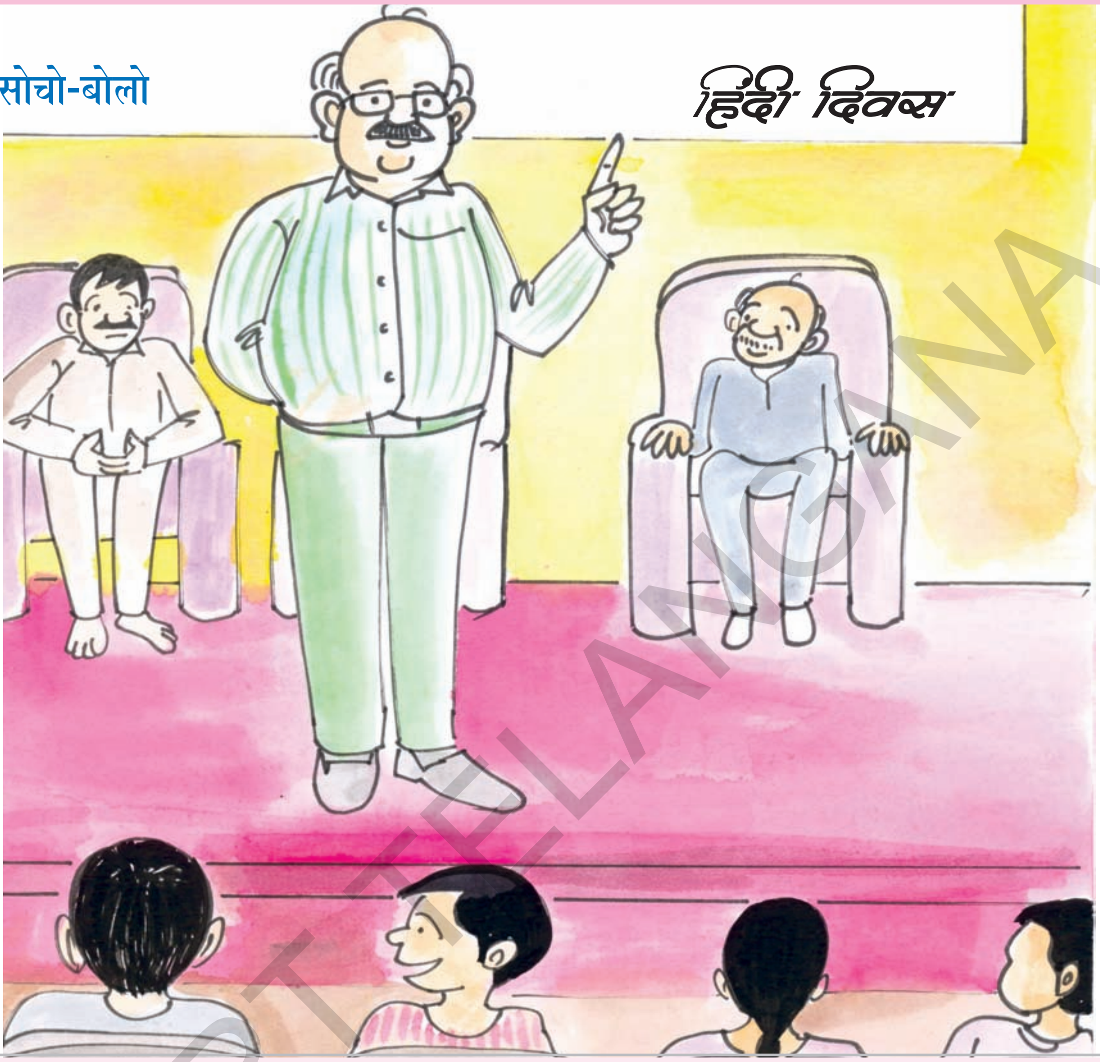

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. बायीं ओर देख रहा लड़का किसके बारे में पूछ रहा होगा?
3. मंच पर खड़ा आदमी क्या बोल रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

(सरिता और रोज़ी दोनों सहेलियाँ हैं। रास्ते में मिलती हैं, बातचीत करती हुई चलती हैं)

रोज़ी : क्या बात है सरिता? तुम आज बड़ी खुश हो। कहाँ से आ रही हो?

सरिता : अपने विद्यालय से...। कल एक विशेष कार्यक्रम है। उसी की तैयारी चल रही है।

रोज़ी : अच्छा, तो तुम्हारे स्कूल में भी हिंदी दिवस मनाया जा रहा है।

सरिता : हाँ, कल 14 सितंबर है न, इसीलिए तो मैं तुम्हें बुला रही थी। मुझे भी गीत सिखा दो न...

रोज़ी : ठीक है। मैं तुम्हें सुनाती हूँ। ध्यान से सुनो और सीख लो।
हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ।
आओ सब मिलकर गाओ, हिंदी दिवस मनाओ।

सरिता : हिंदी दिवस 14 सितंबर को ही क्यों मनाते हैं?

रोज़ी : हमारे अध्यापक जी ने बताया था कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान में हिंदी राजभाषा के रूप में अपनाई गई।

सरिता : समझ गई। इसलिए हर साल इस दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। लेकिन हिंदी को ही देश की राजभाषा क्यों चुना गया?

SCERT TELANGANA

रोज़ी : क्योंकि हिंदी बोलने वाले हमारे देश में सबसे अधिक हैं, लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी?

सरिता : तो सुनो... (अभिनय करते हुए बताती है)

- आदरणीय प्रधानाध्यापक जी! गुरुजन! एवं मेरे प्रिय सहपाठियो!

आप सबको हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी हमारे देश की राजभाषा है।

इसे सीखना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है...

(सरिता ने भाषण में और क्या-क्या कहा होगा?)

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1.विद्‌यालय में हिंदी दिवस के कार्यक्रम में क्या-क्या हुआ होगा?

2.हिंदी सीखने से क्या-क्या लाभ है?

पढ़ो

(अ) ऐसा किसने कहा? पाठ के आधार पर लिखिए।

- मैं तुम्हें सुनाती हूँ। ....
- लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी? ....
- कल एक विशेष कार्यक्रम है। ....
- हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ। ....
- क्या बात है सरिता? ....
- उसी की तैयारी चल रही है। ....
- कहाँ से आ रही हो? ....

लिखो

(अ) नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हिंदी सीखने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
2. अपने घर में या आसपास रहने वाले किन-किन लोगों से आप हिंदी में बात कर सकते हैं?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) वर्गपहेली में कुछ भाषाओं के नाम दिये गये हैं। चुनकर लिखिए।

हिं	सा	बी	ते	क	म
दी	जा	पा	लु	न्न	ल
पं	ज	व	गु	ड़	या
गु	ज	रा	ती	उ	ल
रा	सिं	धी	न	दू	म

जैसे :- तेलुगु

....

....

....

....

भाषा की बात

पाठशाला में मनाये जाने वाले किन्हीं चार कार्यक्रमों के नाम लिखिए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी का महत्व बताते हुए अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

किसी एक बालगीत का संकलन कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं शब्द के अर्थ पहचान सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार-विमर्श

अपना दुःख-दर्द, निराशा, समस्या, अपने माता-पिता, अध्यापक या दोस्त को बताने से कम हो जाती है। कई बार समस्या का समाधान भी मिल जाता है। तुम अपना दुःख-दर्द किसे बताते हो?

हिंदी देश को जोड़ने वाली कड़ी है। - *रामधारी सिंह दिनकर*

SCERT TELANGANA

चूहे को मिली पेंसिल

पढ़ो-आनंद लो

एक चूहा था। उसे बहुत भूख लग रही थी। वह खाने के लिए कुछ ढूँढ रहा था। उसे एक पेंसिल मिली।

पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली-

"मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो। मैं तुम्हारे किस काम की हूँ? मैं तो लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।"

चूहे ने कहा- "मैं तुम्हें कुतरूँगा" । मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ कुतरना पड़ता है।" यह कहते-कहते चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

"उई, मुझे दर्द हो रहा है" पेंसिल ने कहा। "मुझे एक आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम जो चाहे करना।" "ठीक है", चूहे ने कहा, "तुम चित्र बना लो। फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।"

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। उसने एक बड़ा-सा गोला और उसके अंदर तीन छोटे गोले बना दिये। "यह क्या पनीर का टुकड़ा है?" चूहे ने पूछा। "चलो, हम इसे पनीर बोलेंगे।", पेंसिल ने मान लिया।

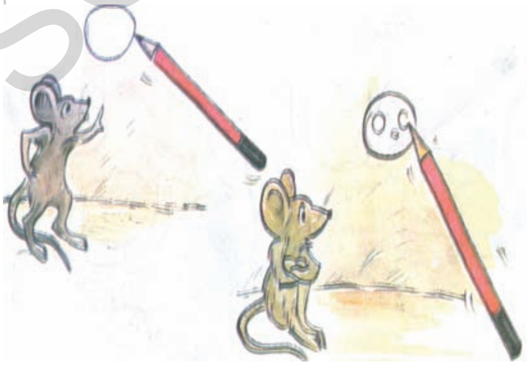

फिर उसने बड़े गोले के नीचे एक बड़ा गोला बनाया। "अरे! यह तो सेब है।", चूहा चहका। "हाँ, इसे सेब कह लेते हैं," पेंसिल ने कहा।

SCERT TELANGANA

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब चित्र बनाने लगी। ''अरे वाह! अब तो मज़ा ही आ गया। ये तो ककड़ी है।'' चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो। मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपर वाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोने बना दिये। ''अरे, अरे।'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगी। और आगे मत बनाओ।''

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लंबी-लंबी मूँछें और मुँह बनाया।

चूहा डरकर चिल्लाया। ''अरे बाप रे! यह तो बिल्कुल

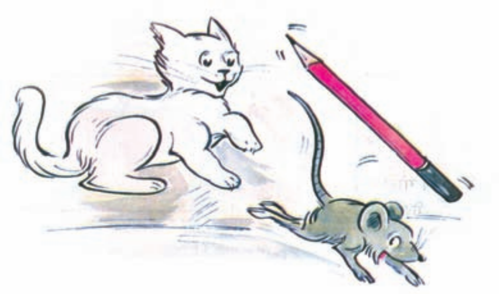

असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल में घुस गया।

SCERT TELANGANA